हिंदी के रंग में रंगे भाकृअनुप-अटारी, कोलकाता में हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह आयोजित

14-28 सितम्बर, 2024, कोलकाता

भाकृअनुप- कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, कोलकाता द्वारा राजभाषा हिंदी के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता और समर्पण को समर्पित हिंदी पखवाड़ा का समापन समारोह आज बड़े हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ।

राजभाषा हिंदी के अनुपालन और हिंदी के प्रसार के उद्देश्य से आयोजित हिंदी पखवाड़ा का समापन समारोह आज बड़े हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ।

मुख्य अतिथि डॉ. डी.बी. शाक्यवार, निदेशक, भाकृअनुप-राष्ट्रीय प्राकृतिक रेशा अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, कोलकाता, ने अपने संबोधन में राजभाषा नीति के प्रावधानों और सरकारी कार्यों में हिंदी के व्यापक उपयोग पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सभी कार्मिकों को बिना किसी झिझक के हिंदी को अपने दैनिक जीवन और कार्यक्षेत्र में अपनाना चाहिए।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए संस्थान के निदेशक, डॉ. प्रदीप डे ने कहा कि एक प्रतिष्ठित सरकारी संस्थान होने के नाते, हमें राजभाषा नीति के कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण योगदान देना चाहिए। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि वे आधिकारिक संचार और दैनिक कार्यों में हिंदी का अधिकाधिक उपयोग करें। डॉ. डे ने हिंदी भाषा की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हिंदी, फारसी और भारतीय संस्कृतियों के संगम का प्रतीक होते हुए, धीरे-धीरे एकता की भाषा बनकर समाजों और राष्ट्रों को जोड़ती जा रही है।

इस अवसर पर संस्थान के सभी वैज्ञानिक, अधिकारी और परियोजना कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का कुशल संचालन डॉ. एस.के. मंडल, प्रधान वैज्ञानिक एवं हिंदी नोडल अधिकारी ने किया, और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. के.एस. दास, प्रधान वैज्ञानिक ने प्रस्तुत किया।